सत्र 2025 -2026 के लिए पाठ्यक्रम

कक्षा -IV

विषय - हिंदी

पाठ संख्या	अध्याय का नाम	अपेक्षित दक्षताएँ	सीखने के अपेक्षित प्रतिफल / उद्देश्य	सुझावित गतिविधियाँ
सत्र -1				
1	मन के भोले भाले बादल	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न विषयों, स्थितियों, घटनाओं, अनभुवों, कहानियों, कविताओं आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने/ प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में रहते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> कला एकीकृत अधिगम - बच्चे अपनी कल्पना के अनुसार रुई की मदद से विभिन्न तरह के बादल बनाएँगे। तकनीकी अधिगम - टैबलेट एवं स्पीकर के माध्यम से प्रकृति की आवाजें सुनकर पहचानें। कविता को आगे बढ़ाएँ और समूह में संबंधित प्रश्न पूछें।
2	जैसा सवाल वैसा जवाब	<ul style="list-style-type: none"> ‘पढ़ने का कोना’/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैसे-बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री, अखबार आदि उपलब्ध हों। विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे-किसी घटना या पात्र के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया, राय, तर्क देना, विश्लेषण करना, आदि। 	<ul style="list-style-type: none"> पढ़ने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं। पढ़ी गई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> सृजनात्मक गतिविधि - सीधे सवाल टेढ़े जवाब - बच्चे समूह में कुछ सवाल बनाएँगे एवं बाकी कक्षा के बच्चे उसके टेढ़े जवाब बताएँगे। कहानी बढ़ाओ - अध्यापिका एक कहानी शुरू करेंगी एवं छात्र एक एक करके उस कहानी को आगे बढ़ाएँगे।

		<ul style="list-style-type: none"> ● एक-दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उस पर अपनी राय देने, उसमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग-अलग ढंग से लिखने के अवसर हों। 		
3	किरमिच की गेंद	<ul style="list-style-type: none"> ● ज़रूरत और संदर्भ के अनुसार अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य /अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर उपलब्ध हों। ● अपनी बात को अपने ढंग से/सजुनात्मक तरीके से अभिव्यक्त(मौखिक, लिखित, सांकेतिक रूप से) करने की आज़ादी हो। 	<ul style="list-style-type: none"> ● अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ ग्रहण करते हैं। ● पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं। ● भाषा की बारीकियों, जैसे- शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> ● कलात्मक एकीकृत अधिगम - अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग करके विभिन्न प्रकार की गेंद, तकिया या गुड़िया आदि बनाओ एवं कक्षा के सामने उनका प्रदर्शन करो तथा अपनी गुड़िया के बारे में कुछ वाक्य लिखो। ● अनुभवात्मक अधिगम- कक्षा बगीचा का निर्माण करते हुए अपने अनुभव साझा करें।
4	पापा जब बच्चे थे	<ul style="list-style-type: none"> ● कहानी, कविता आदि को बोलकर पढ़ने-सुनाने और सुनी, देखी पढ़ी गई बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में कहने और लिखने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के अवसर एवं प्रोत्साहन उपलब्ध हों। ● अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे- गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझने और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उसका इस्तेमाल करने के अवसर हों। 	<ul style="list-style-type: none"> ● स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्य कला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की सराहना करते हैं। ● पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं। ● दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते और प्रश्न पूछते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> ● तकनीकी अधिगम - पुराने समय का जीवन दर्शाते हुए वीडियो (मालगुड़ी डेज़) दिखाना एवं चर्चा करना। ● नाट्य अधिगम - विभिन्न व्यवसायों को stick puppet के उपयोग से दर्शाना तथा उन व्यवसायों से जुड़ी शब्दावली पर वाक्य बनवाना।

5	दोस्त की पोशाक	<ul style="list-style-type: none"> ● तरह-तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को पढ़कर समझने-समझाने, उन पर अपनी प्रतिक्रिया देने, बातचीत करने, प्रश्न करने के अवसर उपलब्ध हों। ● अपनी बात को अपने ढंग से/सजुनात्मक तरीके से अभिव्यक्त(मौखिक, लिखित, सांकेतिक रूप से) करने की आज़ादी हो। 	<ul style="list-style-type: none"> ● किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए लिखते हैं। ● अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> ● अनुभवात्मक अधिगम - विभिन्न राज्यों (जैसे- गुजरात, राजस्थान, पंजाब, कश्मीर, केरल, असम आदि) की वेशभूषा, भाषा, पकवान, आदि के बारे में कक्षा में बताएँ और किसी एक राज्य पर पोस्टर बनवाएँ तथा कक्षा में प्रदर्शित करवाएँ। ● रचनात्मक अधिगम - मुहावरे बूझो - बोर्ड पर अध्यापिका चित्र के माध्यम से बच्चों से मुहावरे पूछें या अभिनय के माध्यम से भी पूछे जा सकते हैं।
6	नाव बनाओ नाव बनाओ	<ul style="list-style-type: none"> ● कहानी, कविता आदि को बोलकर पढ़ने-सुनाने और सुनी, देखी पढ़ी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में कहने और लिखने(भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के अवसर एवं प्रोत्साहन उपलब्ध हों। ● आस-पास होने वाली गति विधियों/घटनाओं (जैसे- मेरे घर की छत से सूरज क्यों नहीं दिखता? सामने वाले पेड़ पर बैठने वाली चिड़िया कहाँ चली गई?) को लेकर प्रश्न करने, सहपाठियों से बातचीत या चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> ● पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। ● भाषा की बारीकियों, जैसे- शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> ● कला एकीकृत अधिगम - कागज की नाव बनाओ एवं उसे सजाओ। ● खेल अधिगम - छात्रों को मैदान में ले जाकर काम वाले शब्द बोलें एवं छात्र वे काम करें । (कूदो, हंसो, नाचो) ।

7	दान का हिसाब	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न विषयों, स्थितियों, घटनाओं, अनभुवों, कहानियों, कविताओं आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों। विषय-वस्तु के संदर्भ में भाषा की बारीकियों और उसकी नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उनका प्रयोग करने के अवसर हों। 	<ul style="list-style-type: none"> भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसका इस्तेमाल करते हैं विविध प्रकार की सामग्री (जैसे - समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका आदि) में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> तकनीकी अधिगम - k -yan/ समाचार पत्र / पोस्टर के माध्यम से छात्रों को अकाल एवं बाढ़ के चित्र/ वीडियो दिखाकर उनके कारण एवं उपायों पर चर्चा करेंगे तथा प्रश्न पूछेंगे।
---	-----------------	---	---	---

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

पाठ संख्या	अध्याय का नाम	आपेक्षित दक्षताएँ	सीखने के आपेक्षित प्रतिफल / उद्देश्य	सुझावित गतिविधियाँ
8	कौन?	<ul style="list-style-type: none"> अपनी बात को अपने ढंग से/सजृनात्मक तरीके से अभिव्यक्त (मौखिक, लिखित, सांकेतिक रूप से) करने की आज़ादी हो। 	<ul style="list-style-type: none"> पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> घर में पाए जाने वाले जीव जन्तु जैसे- छिपकली, कॉकरोच, मक्खियाँ, चूहे, आदि से जुड़ी कोई रोचक घटना कक्षा के साथ साझा करें।
9	स्वतंत्रता की ओर	<ul style="list-style-type: none"> आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं (जैसे- मेरे घर की छत से सूरज क्यों नहीं दिखता? सामने वाले पेड़ पर बैठने वाली चिड़िया कहाँ चली गई?) को लेकर प्रश्न करने, सहपाठियों से बातचीत या चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों। पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हैं हुए अपने लेखन में विराम चिह्नों (जैसे- पूर्ण विराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्नों) का सचेत इस्तेमाल करते हैं। स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया को बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> तकनीकी अधिगम - K-yan के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की फिल्म या डॉक्यूमेंट्री दिखाएँ। अनुभवात्मक अधिगम - समूह में बाल पत्रिकाएँ देकर बच्चों को उनके चित्र दिखाएँ। बच्चे चित्रों के बारे में बताते हुए कुछ विशेषण शब्द लिखेंगे या बोलेंगे।

			<ul style="list-style-type: none"> ● पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> ● महात्मा गांधी के बारे में विराम चिट्ठियों का उपयोग करते हुए कुछ वाक्य लिखेंगे।
10	थप्प रोटी थप्प दाल	<ul style="list-style-type: none"> ● कहानी, कविता आदि को बोलकर पढ़ने-सुनाने और सुनी, देखी पढ़ी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में कहने और लिखने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के अवसर एवं प्रोत्साहन उपलब्ध हों। ● कक्षा में अपने साथियों की भाषाओं पर गौर करने के अवसर हों, जैसे- आम, रोटी, तोता आदि शब्दों को अपनी-अपनी भाषा में कहे जाने के अवसर उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> ● अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं। ● विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिट्ठियों (जैसे- पूर्ण विराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिन्ह) का सचेत इस्तेमाल करते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> ● अनुभवात्मक अधिगम - बिना आग का प्रयोग किए खाने की चीजें कक्षा में बनवाएँ और उसकी बनाने की विधि लिखवाएँ। (जैसे - सैंडविच, सलाद, आलू चाट) ● नाटक अधिगम - पाठ का नाट्य रूपांतरण।

11	पढ़कू की सूझ	<ul style="list-style-type: none"> ज़रूरत और संदर्भ के अनसुार अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य /अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> सुनी गई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ ग्रहण करते हैं। भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसका इस्तेमाल करते हैं 	<ul style="list-style-type: none"> नाटक अधिगम - अपने पसंदीदा जानवर को आप कैसे अपनी बात समझाएँगे ? (जैसे - गले में घंटी बांधकर, इशारों से) (समूह में या दो बच्चे एक साथ कर सकते हैं।) पृष्ठ संख्या- 96 पर दी गई वर्ग पहली में सार्थक शब्द ढूँढना।
12	सुनीता की पहिया कुर्सी	<ul style="list-style-type: none"> आस-पास होने वाली गतिविधियाँ/घटनाओं (जैसे- मेरे घर की छत से सूरज क्यों नहीं दिखता?सामने वाले पेड़ पर बैठने वाली चिड़िया कहाँ चली गई?) को लेकर प्रश्न करने, सहपाठियों से बातचीत या चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों। पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक,सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> विविध प्रकार की सामग्री (जैसे - समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका आदि) में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं। पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक /लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं। विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, सामान की सूची, कविता, कहानी, चिट्ठी आदि) के अनुसार लिखते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> अनुभवात्मक अधिगम -विशेष रूप से सक्षम बच्चे (Differently Abled) का अभिनय समूह में कराया जा सकता है। जैसे - आँखों पर पट्टी बांध कर, एक पैर बांध कर, मित्र की सहायता से टॉयलेट तक जाना, एक हाथ बाँध कर खाना खाना, बिना बोले अपनी बात दूसरे को समझाना आदि। पिकनिक का चित्र वर्णन
13	हुदहुद	<ul style="list-style-type: none"> अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे- गणित, विज्ञान,सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होनेवाली शब्दावली को समझने और उसका 	<ul style="list-style-type: none"> पढ़ी गई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> तकनीकी अधिगम - विभिन्न जानवरों की वीडियो K-yan के माध्यम से छात्रों को दिखाकर उनके खान पान एवं आवास पर चर्चा करें।

		<p>संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों।</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'पढ़ने का कोना'/ पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैसे- बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री, अखबार आदि उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> • अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (बाल साहित्य/ समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका, होर्डिंग, आदि) को समझ कर पढ़ते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> • कक्षा लाइब्रेरी में से अपनी पसंद की किताब चुनकर पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ।
14	मुफ्त ही मुफ्त	<ul style="list-style-type: none"> • 'पढ़ने का कोना'/ पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैसे- बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री, अखबार आदि उपलब्ध हों। 	<ul style="list-style-type: none"> • अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं। • सुनी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए देते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> • नाट्य अधिगम - छात्राएँ पोशाक , खान पान एवं भाषा के माध्यम से राज्य विशेष की संस्कृति कक्षा में दर्शाएँगे। • कक्षा लाइब्रेरी में से अपनी पसंद की किताब चुनकर पढ़ी गई कहानी में आए नए शब्दों पर वाक्य बनवाएँ।

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।